जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

26 जनवरी, 2025

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने 76वां गणतंत्र दिवस मनाया 'स्वर्णिम भारत : विरासत और विकास' की थीम गुंजायमान हुई

जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) ने आज 76वां गणतंत्र दिवस जबरदस्त उत्साह, जोश और देशभक्ति की अटूट भावना के साथ मनाया। समारोह की शुरुआत कुलपति प्रो. मजहर आसिफ और समारोह के मुख्य अतिथि, भारत सरकार के नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) के महानिदेशक (डीजी) श्री फैज़ अहमद किदवई (आईएएस) द्वारा राष्ट्रीय ध्वजारोहण के साथ हुई जिसमें जामिया के कुलसचिव प्रो मोहम्मद महताब आलम रिज़वी शामिल रहे और ध्वजारोहण विश्वविद्यालय के डॉ. एम. ए. अंसारी ऑडोटोरियम प्रांगण में हुआ। ध्वजारोहण के बाद राष्ट्रीय गान हुआ जिसमें डीन, विभागाध्यक्ष, केंद्रों के निदेशक, विश्वविद्यालय के अधिकारी, संकाय सदस्य, छात्र, गैर-शैशिक कर्मचारी और बड़ी संख्या में अभिभावक शामिल हुए।

तिलावत-ए-कुरान पाक के उपरांत, 'जामिया तराना' टीम ने जामिया तराना गाया जिसके बाद प्रो नीलोफर अफजल, डीन, छात्र कल्याण द्वारा मेहमानों का औपचारिक स्वागत किया गया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा, "जामिया हमेशा आशा, प्रगति और समावेशिता का एक स्तंभ रहा है जो हमारे संविधान में निहित न्याय, समानता और एकता के विचारों को मूर्त रूप देता है।" इस कार्यक्रम के बाद कुलपति ,मुख्य अतिथि, कुलसचिव और अन्य सम्मानित मेहमानों द्वारा छात्र हैंडबुक को लोकार्पित किया गया। हैंडबुक छात्रों के कल्याण के लिए किए गए विभिन्न पहलों और कार्यक्रमों पर प्रकाश डालती है।

मेहमानों के आधिकारिक स्वागत के बाद, जामिया की सभी तीन एनसीसी इकाइयों, अर्थात् थल सेना, नौसेना और वायु सेना ने सुव्यवस्थित ढंग आयोजित परेड का प्रदर्शन विश्वविद्यालय के शताब्दी गेट पर किया। यह विशेष रूप से विश्वविद्यालय के सुरक्षा कर्मियों की पलटन द्वारा जीवंत और अच्छी तरह से समन्वित परेड की उद्घाटन प्रस्तुति का प्रतीक था जिसमें सशस्त्र बलों के सेवानिवृत्त सदस्य भी शामिल थे। ड्रम, बैगपाइप और विभिन्न अन्य संगीत वाद्ययंत्रों के साथ जामिया बैंड ने देशभक्ति की धुनों के साथ मनमोहक प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्री फ़ैज़ अहमद किदवई ने माननीय प्रधान मंत्री, श्री नरेंद्र मोदी के एक उद्धरण के साथ अपना संबोधन शुरू किया, "हम उन सभी महान महिलाओं और पुरुषों को नमन करते हैं जिन्होंने हमारा संविधान बनाया और यह सुनिश्चित किया कि हमारी यात्रा लोकतंत्र में, गरिमा और एकता में निहित हो. यह अवसर हमारे संविधान के आदर्शों को संरक्षित करने, मजबूत और समृद्ध भारत की दिशा में काम करने के लिए हमारे प्रयासों को मजबूत कर सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि जामिया "एक ऐसी संस्था जो एक विश्वविद्यालय कम है और भारत की सबसे अधिक परिवर्तनकारी यात्रा का एक जीवित, सांस लेने में अधिक है"। उन्होंने दर्शकों को याद दिलाया कि जामिया मिल्लिया इस्लामिया समझौता से निकला हुआ एक संस्था नहीं था बल्कि औपनिवेशिक मानसिकता की पूर्ण और असंबद्ध अस्वीकृति के कारण, यह

"प्रतिरोध का क्रूसिबल" है जिसने "ज्ञान के एक वैकल्पिक ब्रह्मांड" का निर्माण किया है। उन्होंने यह भी कहा कि "ब्रिटिश शैक्षिक प्रणाली सांस्कृतिक अधीनता की एक मशीनरी थी जिसे क्लर्क और प्रशासक बनाने के लिए बनाया गया था जो औपनिवेशिक नौकरशाही को समाप्त कर देगा। जामिया ने ऐसे विचारकों, क्रांतिकारियों, व्यक्तियों को तैयार किया है जो मानते हैं कि शिक्षा प्रमाणन के बारे में नहीं है, बल्कि परिवर्तन के बारे में है"।

छात्रों को संबोधित करते हुए श्री किदवई ने कहा, "आप पर जो भार है वह सिर्फ पाठ्यपुस्तकों और डिग्रियों का नहीं है, बल्कि पूरी सभ्यता की आशा का है। आपकी शिक्षा केवल कौशल प्राप्त करने के बारे में नहीं है। यह सरलीकृत आख्यानों के प्रति प्रतिरोधक क्षमता विकसित करने के बारे में है। जब कोई एल्गोरिदम मानवीय अनुभव को क्लिक बैट हेडलाइन तक सीमित करने का प्रयास करता है, तो आपके पास नीचे की परतों को देखने का बौद्धिक साहस होना चाहिए।" उन्होंने यह भी कहा कि जामिया की विरासत न केवल ऐतिहासिक है बल्कि जीवंत रूप से समसामयिक है जो लगातार सामने आ रही है।

76वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर जामिया बिरादरी को बधाई देकर अपने संबोधन की शुरुआत करते हुए कुलपति प्रो मजहर आसिफ ने स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा किए गए बलिदानों को रेखांकित किया, जिन्होंने एक मजबूत गणराज्य के रूप में देश की स्वतंत्रता और भारत की स्थापना में योगदान दिया। उन्होंने अंग्रेजों से स्वतंत्रता प्राप्त करने के लिए संघर्ष में जामिया मिल्लिया इस्लामिया के संस्थापकों के महत्वपूर्ण योगदान पर भी प्रकाश डाला।

प्रो आसिफ ने शैक्षणिक और पाठ्येतर गतिविधियों में सफलता हासिल करने वाले सभी छात्रों की सराहना की और उन्हें और अधिक गौरव हासिल करने के लिए प्रोत्साहित किया। कुलपति ने कार्यक्रम के दौरान सभी एनसीसी कैडेटों और छात्रों को उनकी शानदार परेड और प्रभावशाली प्रस्तुतियों के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने विश्वविद्यालय की सौंदर्य अपील को बढ़ाने और परिसर को सुरक्षित करने के लिए सभी स्वच्छता श्रमिकों, सुरक्षा कर्मियों और बागवानी विभाग के लिए अपनी सराहना की। एनएसएस स्वयंसेवकों के योगदान को भी कुलपति द्वारा सराहा गया।

प्रसिद्ध कवि मुहम्मद इकबाल के हवाले से, प्रो मजहर आसिफ ने कहा कि भारत एक उल्लेखनीय राष्ट्र है जिसमें समृद्ध सांस्कृतिक विविधता और प्राकृतिक सुंदरता है। उन्होंने देश की विशिष्टता पर बल दिया वह भी यह देखते हुए कि कई चुनौतियों के बावजूद भी यह सही रूप में खड़ा है।

इस कार्यक्रम में विभिन्न जामिया स्कूलों और विश्वविद्यालय के छात्रावास के छात्रों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनों में मुशिर फातमा नर्सरी स्कूल के छात्रों द्वारा राष्ट्रीय प्रतीकों 'कुमी निशियात' पर एक मनोरम प्रदर्शन शामिल था; जामिया मिडिल स्कूल द्वारा 'केरल के हार्वेस्ट फेस्टिवल ओनम' पर एक नृत्य प्रदर्शन; साह स्कूल द्वारा 'पंजाब की झलक' पर एक प्रदर्शन; असाम का बिहू नृत्य, जामिया गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल और जामिया सीनियर सेकेंडरी स्कूल द्वारा जीवंत डांडिया नृत्य। जामिया हॉल और हॉस्टल टीमों ने अच्छी तरह से शोध और चलती स्किट पेश करके दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इनमें 'जामिया की कहानी -ताबत की ज़बानी' शामिल थे - हॉल ऑफ़ गर्ल्स रेजिडेंस के बेगम हजरत महल हॉल द्वारा जामिया मिल्लिया इस्लामिया के विकास के संक्षिप्त इतिहास पर एक प्रस्तुति; 'वाजूड ई ज़ान से है तसवीर ई कयनाट मीन रंग-जम्मू और कश्मीर गर्ल्स हॉस्टल द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण का एक प्रदर्शन और मुल्क की अलम्बरदार खावतेन पर प्रस्तुति- महिला स्वतंत्रता सेनानियों का परिचय और हॉल ऑफ गर्ल्स रेजिडेंस (ओल्ड) द्वारा जामिया मिल्लिया इस्लामिया के संस्थापक भी; 'जिक्र ए जाकिर'- जामिया के शुरुआती वर्षों में एक प्रदर्शन और डॉ जाकिर हुसैन की भूमिका- बॉयज़

हॉस्टल और 'सदा-ए-जौहर' द्वारा ज़ाकिर हुसैन - एमएमए जौहर हॉल ऑफ़ बॉयज़ रेजिडेंस द्वारा जामिया मिल्लिया इस्लामिया के निर्माण और संस्थापकों, विशेष रूप से मौलाना जौहर और महात्मा गांधी के योगदान की एक संक्षिप्त कहानी भी शामिल है।

अपने समापन संबोधन और धन्यवाद ज्ञापन में, प्रो महताब आलम रिजवी, जामिया मिल्लिया इस्लामिया के कुलसचिव ने कहा कि जामिया के समारोहों ने इस वर्ष के गणतंत्र दिवस के विषय अर्थात के साथ पूरी तरह से प्रतिध्वनित किया है जो गोल्डन इंडिया: लिगेसी और प्रगति है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया , आयोजन समिति के सदस्यों और उपस्थित लोगों के प्रति भी आभार व्यक्त किया जिन्होंने इस भव्य और सफल कार्यक्रम में योगदान किया ।

इस उत्सव का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ जिसने एक यादगार और देशभक्ति के 76 वें गणतंत्र दिवस समारोह को चिह्नित किया।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया